SHRI NEERAJ SHEKHAR (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Pavan Kumar Varma.

DR. CHANDRAPAL SINGH YADAV (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Pavan Kumar Varma.

SHRI JESUDASU SEELAM (Andhra Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Pavan Kumar Varma.

Shifting of coach manufacturing project from Kalahandi to Visakhapatnam by Railways

श्री भुपिंदर सिंह (ओडिशा): डिप्टी चेयरमैन सर, आप जानते हैं कि गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने कालाहांडी, बलांगीर और कोरापुट को एक स्पेशल रीजन आइडेंटिफाई किया है। सर, नरला पहले मेरी कांस्टीट्यूएंसी थी। वहां पर चपटाखंड गांव में पिछली सरकार ने रेलवे की एक कोच रिपेयरिंग फैक्टरी बनाने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में उसके बारे में जब हमने आरटीआई से पता किया, तो उसमें बताया गया कि एडमिनिस्ट्रेटिव ग्राउंड पर उसको वहां से शिफ्ट करके आन्ध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम लाया जा रहा है। इस बात को लेकर मेरे जिले कालाहांडी में एजिटेशन चल रहा है। इस मुद्दे को हमारी पार्टी बीजेडी के सभी विधायकों ने और सभी पार्टियों के सदस्यों ने भी विधान सभा में उठाया है। अभी-अभी हमारे रेल मंत्री सुरेश प्रभु जी भुवनेश्वर गए थे, तो वे चीफ मिनिस्टर से मिलने गए। माननीय नवीन पटनायाक जी ने भी इस मुद्दे को उनके सामने रखा। तो उन्होंने अभी कहा है कि वहां डेढ़ महीने के अन्दर हम इसके लिए कुछ न कुछ करेंगे, एक कमेटी बिठाएंगे।

सर, बात यहां पर यह है कि हम कोई ज्यादा बड़ी चीज़ नहीं मांग रहे हैं। यह एक विडम्बना है कि जो चीज़ हमें मिल रही थी, वह भी हमसे छीनी जा रही है। यहां प्लानिंग कमीशन की जगह नीति आयोग बनाया गया। यह नीति आयोग किसके लिए बनाया गया? जैसे हाथ की पांचों उंगलियां बराबर नहीं होती हैं, तो भारत सरकार ने, पिछली यूपीए सरकार ने जब उस एरिया को सबसे पिछड़ा इलाका माना, तो वहां रेलवे का एक छोटा सा rapair wagon मैन्युफैक्चरिंग युनिट आना था। क्या यह बात सच है कि 25 फरवरी, 2014 को वहां रेलवे मिनिस्टर ऑफ स्टेट द्वारा फाउंडेशन स्टोन रखा जाना था? इसमें कहां तक सच्चाई है? मैं आपके माध्यम से सरकार से यह भी जानने की उम्मीद रखता हूं। यहां पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर बैठे हुए हैं। मैं उनसे निवेदन करूंगा कि वे इस बात को थोड़ा गहराई से लें। रीजनल इम्बैलेंस की बात आज सारे हिन्दुस्तान में राज्यों के बीच हो रही है, लेकिन राज्यों के बीच इम्बैलेंस की बात करना तो दूर की बात है, यहां केन्द्र से भी अगर रीजनल इम्बैलेंस होता है, तो हमारी सरकार को, हम लोगों को केन्द्र नेग्लेक्ट करता है। वहां हमारे मुख्य मंत्री नवीन पटनायक जी ने और हमारी पार्टी बीजेडी के सभी विधायकों ने इस बात को बार-बार बोला है कि केन्द्र सरकार हमें नेग्लेक्ट कर रही है। हम कोई और बात नहीं उठा रहे हैं, हम false propaganda नहीं कर रहे हैं। हम issue base के ऊपर बोलते हैं कि जो चीज़ हमें मिली हुई है, उसको क्यों हमसे छीना जा रहा है? ...(**समय की घंटी**)... तो केन्द्र सरकार की तरफ से ओडिशा के लिए इसमें बड़ा नेग्लेक्ट और क्या हो सकता है? ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः टाइम ओवर हो गया।

श्री शरद यादव (बिहार)ः महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री दिलीप कुमार तिर्की (ओडिशा)ः महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री के.सी. त्यागी (बिहार)ः महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री ए.यू. सिंह देव (ओडिशा)ः महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री नरेन्द्र कुमार स्वैन (ओडिशा)ः महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार)ः महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

Alleged atrocities on students by police in NIT, Srinagar

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश)ः माननीय उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से एक बहुत ही गम्भीर समस्या की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। हमारा जो राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' है, उसकी आन, बान और शान के लिए हमारे जवानों ने अपना जीवन अर्पित किया है। इस देश में उसी के नेतृत्व में, कांग्रेस के नेतृत्व में, आज़ादी की जो लड़ाई लड़ी गई, तब देश आज़ाद हुआ। परन्तु जब से भाजपा की सरकार आई है, शिक्षण संस्थाओं में चाहे वह हैदराबाद हो, जेएनयू हो या एनआईटी हो, कश्मीर में हो, भारतीय जनता पार्टी की सरकार के आने के बाद इससे जुड़े हुए संगठन हर जगह पर एक ऐसी राजनीति कर रहे हैं, जिससे बिखराव उत्पन्न हो। यह दुखद है, दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस राष्ट्रीय ध्वज की बात भारतीय जनता पार्टी करती है, अपने दोहरे आचरण के कारण दूसरे हिस्सों में कुछ करती है, श्रीनगर में कुछ और करती है। 5-6 अप्रैल, 2016 को वहां के एनआईटी के छात्रों ने राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' फहराया। वे चाहते थे कि उन्हें उस ध्वज को फहराने की अनुमति मिले। परन्तु मझे यह कहने में बहुत दुख हो रहा है कि चूंकि इनकी सरकार देश में भी है और इनकी सरकार कश्मीर में भी है, भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए संगठन के जो लोग हैं, इनकी यह नीयत है कि जहां पर छात्र हैं और जो उनकी विचारधारा से मेल न खाते हों, उनको कुचला जाए। तो इनसे जुड़े संगठनों द्वारा श्रीनगर की धरती पर राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' फहराने वाले एनआईटी के छात्रों पर, जिनमें विकलांग छात्र भी शामिल थे, उन पर लाठीचार्ज किया गया, मारा-पीटा गया और जो गिर गए थे, उनको भी मारा गया। आज वे छात्र यहां पर दिल्ली में आकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वे यह मांग कर रहे हैं कि हमें राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' फहराने दिया जाए और भारतीय जनता पार्टी की सरकार उन्हें राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' फहराने नहीं दे रही है। छात्रों और इनके बीच में यही संघर्ष है। वह 'तिरंगा', जिसके लिए लोगों ने जान दी हो और बलिदान दिया हो, उस पर भारतीय जनता पार्टी दोहरी राजनीति करती है कि वह देश के हिस्सों में कुछ कहे और कश्मीर में कुछ और कहे। हम यह भी नहीं भूलें कि जब बहुत ही अच्छे वातावरण में जम्मू और कश्मीर में कांग्रेस की सरकार थी, तब एक वातावरण बनाया गया था। स्थानीय लोग संघर्ष नहीं करना चाहते, लेकिन इनकी जो सत्ता लिप्सा की आदत है, ये जो सत्ता के भूखे लोग हैं, ये शिक्षण संस्थाओं में एक ज़हर बो रहे हैं, एक कैंसर बो रहे हैं। उसका नतीजा यह हो रहा है कि देश के शिक्षण संस्थानों में ...**(व्यवधान)**...